

शासकीय मानकूँवरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम: ऑनर्स /शोध	कक्षा : बी.ए	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: हिन्दी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A4-HLIT2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी नाटक और रंगमंच (प्रश्न पत्र II)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	कोर कोर्स - II	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिग्री में किया हो ।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे: <ol style="list-style-type: none"> 1. विद्यार्थी हिन्दी नाटक और रंगमंच परंपरा से परिचित हो सकेंगे । 2. रंगमंच एवं अभिनय कला में पारंगत होंगे एवं कला क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकेंगे । 3. रंगमंच एवं अभिनय के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। 	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-90-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में-3.6): L-T-P:			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)	
1	हिन्दी नाट्य साहित्य एवं रंगमंच की अवधारणाएँ	15	

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

	<ul style="list-style-type: none"> • नाट्य साहित्य : अर्थ , परिभाषा , स्वरूप एवं तत्व • नाटक के प्रकार • रंगमंच का स्वरूप प्रमुख आयाम 	
2	<p>हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : उद्भव एवं विकास</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. हिन्दी नाटक उद्भव एवं विकास <ul style="list-style-type: none"> • भारतेन्दु युगीन नाटक • प्रसाद युगीन नाटक • स्वतंत्र्योत्तर नाटक 2. हिन्दी रंगमंच की विकास यात्रा एवं हिन्दी रंगमंच - प्रयोग के संदर्भ में 3. रंगकर्म की शास्त्रीय एवं लोकधर्मी परंपरा 	21
3	<p>नाटक एवं नाटककारों का अध्ययन</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत दुर्दशा - भारतेन्दु हरिश्चंद्र • चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद • नाटकों के महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या • नाटक एवं नाटककारों पर समीक्षात्मक प्रश्न 	18
4	<p>नाटक एवं नाटककारों का अध्ययन</p> <ul style="list-style-type: none"> • अंधायुग-धर्मवीर भारती • सुषेण पर्व - देवेन्द्र दीपक • नाटकों के महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या • नाटक एवं नाटककारों पर समीक्षात्मक प्रश्न 	18

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

5	<p>नाट्य मंचन / परियोजना कार्य</p> <ul style="list-style-type: none"> • कहानी/कविता का नाट्य रूपान्तरण • लोक नाट्य संकलन एवं समीक्षा • नाट्य अभिनय • मौलिक नाट्य लेखन <p>उपरोक्त में से किसी एक पर परियोजना कार्य</p>	18
<p>सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: रंगमंच, नाट्य, रूपान्तरण, मौलिक, समीक्षा</p>		
<p>भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p>		
<p>अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>आनंद, मोहन " कहानी का रंगमंच " वाणी प्रकाशन नई दिल्ली</p> <p>शर्मा, जगन्नाथ प्रसाद "प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन" वाणी प्रकाशन नई दिल्ली</p> <p>रस्तोगी, डॉ गिरीश " नाटक तथा रंग परिकल्पना " विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी</p> <p>बेदी, डॉ सुषम " हिन्दी नाट्य प्रयोग के संदर्भ में " पराग प्रकाशन दिल्ली</p> <p>ओझा, दशरथ " हिन्दी नाटक " उद्भव एवं विकास " राजपाल एंड संस दिल्ली</p> <p>जैन, नेमिचन्द्र " रंगदर्शन " राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली</p> <p>सिंह, बच्चन " हिन्दी नाटक " राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली</p> <p>राकेश, मोहन " नाट्य दर्पण " राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली</p> <p>शर्मा, सुरेश " रंग यात्रा " राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय बहावलपुर हाउस, नई दिल्ली</p> <p style="text-align: center;">मध्यप्रदेश हिन्दी गृन्थ अकादेमी से प्रकाशित पुस्तकें</p> <p>2. अनुशासित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक</p>		

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

<https://books.google.com>

<https://hi.quora.com>

<https://egyankosh.ac.in>handle>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	70
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	

कोई टिप्पणी/सुझाव:


2024